प्रवीण पाठ्यक्रम

PRAVEEN COURSE

किट : 2 / KIT : 2

पाठ : 03 से 05

LESSON: 03 TO 05

सितंबर - किट / SEPTEMBER - KIT

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

पत्राचार पाठ्यक्रम स्कंध (हिंदी)

राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय

2-ए, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली-110011

Central Hindi Training Institute

CORRESPONDENCE COURSE WING (HINDI)

Department of Official Language

Ministry of Home Affairs

2-A, Prithvi Raj Road

New Delhi-110011

Email-adptracharchti-dol@nic.in

Phone No. 011-23017203

Fax No. 011-23017203

To download this Kit:

http://chti.rajbhasha.gov.in/?9600?21

पाठ / Lesson - 3
मकान के लिए ऋण

भूमिका/ Introduction :

The text depicts a dialogue between two Govt. employees regarding the arrangements of loan from various sources for purchasing a flat from the city Housing Development Authority. Mohini finds Prashant a bit worried and offers him help. She congratulates prashant for getting the allotment of a flat and discusses his plans for the arrangement of a huge sum of `ten lakhs form sources like GPF, co-operative society, Banks and some private financial companies.

उद्देश्य / Objective

You will learn the conditional clause sentence structure using अगर ...... तो (if .... then) in the future tense verb forms. In this lesson you will learn the following sentence structures: -

अगर ऋण मिला तो मकान बन जाएगा।

If loan is available, the house will be constructed.

अगर अग्रिम मंजूर हुआ तो मैं कार खरीदूँगा।

If advance is sanctioned, I will purchase car.

SYNOPSIS

Now you are going to study the main body/main text of the lesson, heading 'मकान के लिए ऋण'. It is about Prashant (A Govt. Employee) who has been alloted a flat from City Housing Development Authority. Prashant has to arrange a huge sum of Rs. 10 Lakhs for purchasing this flat, so he is worried. Mohini finds him worried and offers her help. She congratulates Prashant for getting this allotment and discusses his plan for the arrangement of Rs.10 lakh from various sources like G.P.F., loan from Co-operative Society, Banks and some Private Financial Companies. Prashant has to arrange this money within short time duration of three months.

Here below we present the text. Read the text 'मकान के लिए ऋण' carefully read this lesson

मकान के लिए ऋण

अगर.......तो

मोहिनी :अरे प्रशांत, तुम आज बहुत **चिंतित**[1] लग रहे हो। अगर कोई **परेशानी**[2] है तो मुझे बताओ। शायद मैं कुछ **मदद**[3] कर सकूँ।

प्रशांत :जी हाँ, मैडम। मैंने 25000 रुपए भरकर **नगर आवास विकास प्राधिकरण**[4] के **अन्तर्गत**[5] एक फ्लैट लेने के लिए **आवेदन**[6] दिया था, अब मेरा नाम उस लॉटरी में निकल आया है। फ्लैट निकल तो आया है पर ....।

मोहिनी :यह तो खुशी की बात है, बहुत-बहुत **बधाई**[7]। पर तुम इतने **परेशान**[8] क्यों हो?

प्रशांत :मेरी चिंता का कारण है पैसा। इतने पैसों का **इंतजाम**[9] कैसे होगा?

मोहिनी :इस फ्लैट की **कुल कीमत**[10] कितनी है?

प्रशांत :इस फ्लैट को लेने के लिए मुझे दस लाख रुपए चाहिए। **समस्या**[11] यह है कि अगर मैं तीन महीने के अंदर पैसों का इंतजाम न कर पाया तो मेरा **पंजीकरण**[12] **रद्द**[13] हो जाएगा। मकान खरीदने का **मौका**[14] बार-बार मिलता कहाँ है?

मोहिनी :आपने अपने कार्यालय में तो **भवन निर्माण अग्रिम**[15] के लिए आवेदन-पत्र दे ही दिया होगा।

प्रशांत :हाँ, पहले **सूचना**[16] दे दी थी। अब ड्रा निकलने पर मैंने **ऋण**[17] के लिए आवेदन भी दे दिया है। अगर ऋण समय पर नहीं मिला तो मुझे **कठिनाई**[18] होगी।

मोहिनी :अगर कार्यालय ऋण देगा तो कितना देगा?

प्रशांत :मुझे पचास माह के **मूल वेतन**[19] के बराबर ऋण मिल सकता है जो कि लगभग पाँच लाख रुपए होगा।

मोहिनी : **शेष राशि**[20] का इंतजाम तुम कहाँ से करोगे? अगर तुम **सहकारी ऋण समिति**[21] के **सदस्य**[22] हो तो लगभग दो लाख रुपए तक का ऋण वहाँ से भी मिल सकता है।

प्रशांत :हाँ। अगर सहकारी ऋण समिति से समय पर ऋण नहीं मिला, तो बैंक और कुछ **निजी वित्तीय कंपनियों**[23] से ऋण ले सकता हूँ।

मोहिनी : तुम्हारी सरकारी सेवा तो पंद्रह साल की है। अगर तुम चाहो तो **सामान्य भविष्य निधि**[24] से **नब्बे प्रतिशत**[25] तक **अंतिम निकासी**[26] ले सकते हो।

प्रशांत :हाँ, सामान्य भविष्य निधि से मुझे **लगभग**[27] तीन लाख रुपए मिल सकते हैं।

मोहिनी :अगर तुम्हारे पास **निजी बचत**[28] या कुछ शेयर हैं तो मकान खरीदने के लिए उनका भी **उपयोग**[29] कर सकते हो।

प्रशांत :हाँ, इन सब **स्रोतों**[30] से पाँच-छह लाख मिल जाएँगे। अगर कार्यालय से ऋण मिलने में देर होगी तो मकान लेने की सारी **योजना**[31] चौपट हो जाएगी।

मोहिनी :लेकिन तुम **निराश**[32] न हो। एक **उपाय**[33] और है। अगर पूरे पैसों का इंतजाम न हो सका, तो तुम **किस्तों**[34] में भी मकान खरीद सकते हो।

प्रशांत :नहीं मैडम, मेरे इस फ्लैट का **आबंटन**[35] **नकद क्रय योजना**[36] के अन्तर्गत किया गया है अत: यह किस्तों में नहीं बदला जा सकता।

मोहिनी : तब तो **मुश्किल**[37] है। लेकिन मुझे लगता है कि कि तुम्हें ऋण मिल जाएगा।

You can read the lesson carefully again as the difficult words/expressions mentioned in bold in the text are given in the foot notes for ascertaining the correct meaning of the text.

शब्दार्थ/ Vocabulary :

1. worried 2. problem 3. help 4. City Housing development Authority 5. under 6. applied 7. congratulation 8. arrangement 9. total cost 10. problem 11. registration 12. cancel 13. chance 14. house building advance 15. information 16. loan 17. difficulty 18. basic Pay 19. balance amount 20. co-operative society 21. member 22. private financial companies 23. G.P.F. 24. 90% 25. final withdrawal 26. approximately 27. personal saving 28. use 30 sources 29. plan 30. disappoint 31. way 32. instalments 33. allotment 34. cash down scheme 35. difficult

बोध प्रश्न

1. प्रशांत क्यों चिंतित है?
2. प्रशांत को फ्लैट के लिए धन कब चाहिए?
3. प्रशांत को मकान के लिए कितना धन चाहिए?
4. कार्यालय से कितने महीने के मूल वेतन के बराबर ऋण मिलता है?
5. भविष्य निधि से अंतिम निकासी कितने वर्ष की सेवा के बाद संभव है?

व्याकरणिक टिप्पणी /Grammatical Notes

पर्यायवाची शब्द

मदद	=	सहायता	चिंता	=	फ़िक्र
ऋण	=	कर्ज	भवन	=	इमारत
अग्रिम	=	पेशगी	प्रतिशत	=	फ़ीसदी

विलोम शब्द

सामान्य	×	विशेष	कठिनाई	×	सरलता
निजी	×	सार्वजनिक	नकद	×	उधार
क्रय	×	विक्रय	सरकारी	×	गैर सरकारी

The normal conditional sentences make use of the subjunctive verb. 'अगर बारिश न आए', "तो" We will learn this pattern in the next lesson,

In Hindi the past tense form of the verb is also used where we presume the action as a pre-condition. Presuming that <u>'Raj will not repay the money'</u> we have the following sentences:-

अगर राज ने पैसा वापस नहीं दिया तो बड़ी परेशानी हो जाएगी।

This presumptive verb can also be indicated by a phrase "पर" e.g.

अगर बस नहीं मिली तो ....

बस न मिलने पर ....

Mark the following sentence patterns occurring in the lesson. The first example has been taken from the lesson 'मकान के लिए ऋण' while the others show the same usage in another context.

अगर मैं पैसों का इंतजाम न कर पाया तो मेरा पंजीकरण रद्द हो जाएगा।

If I am not able to arrange the money, my registration will be cancelled.

अगर स्थानांतरण न रुकवा पाया तो बहुत परेशानी हो जाएगी ।

अगर समय पर स्टेशन न पहुँच पाया तो ट्रेन छूट जाएगी।

Mark the verb forms occurring in the above-mentioned sentences. The verbs in the conditional clause of the aforesaid sentences i.e. कर पाया, रुकवा पाया, पहुँच पाया etc. are in past tense forms but all these denote either future or present tense.

अभ्यास : Mark carefully the verb forms in the following sentences.

1. अगर वह कल दो बजे नहीं आ पाया तो ....

2. अगर गीता 7 तारीख से पहले किराया नहीं दे पायी तो मकान खाली ....

3. अगर काम पूरा न कर पाया तो ....

मौखिक अभ्यास/ Oral Practice

The following practice material is based on the text. Try to attempt all these exercises on your own.

स्थानापत्ति अभ्यास

क) 1. अगर **रोटी** नहीं मिली तो हमें **फल** से काम चलाना पड़ेगा।
(इडली-ब्रेड, दाल-दही, कुरसी-चटाई, होटल-धर्मशाला)

2. यदि केबल आपरेटरों की हड़ताल हुई तो हम **अखबार** से काम चला लेंगे।
(रेडियो, इंटरनेट, दूरदर्शन)

3. यदि श्याम रात दस बजे तक घर नहीं आया तो हमें उसके **दोस्तों** से पता करना होगा।
(रिश्तेदारों, कार्यालय-साथियों, अधिकारी)

4. अगर बैंक ने ऋण नहीं दिया तो तुम्हें **साहूकार** से ऋण लेना पड़ेगा।
(सहकारी समिति, कार्यालय, दोस्तों)

ख) 1. विदेश जाने पर मैं वहाँ **व्यापार करूँगा।**
(नौकरी करना, विभिन्न स्थान देखना, हिंदी पढ़ाना, अध्ययन करना)

2. अवर सचिव के सामने **मसौदा** प्रस्तुत करूँगा।
(पत्र, विवरण, वार्षिक कार्यक्रम, प्रतिवेदन)

3. **सचिव महोदय** कार्यालय का निरीक्षण करेंगे।
(वित्त मंत्री, अवर सचिव, निदेशक)

4. **मैं** दिल्ली में रुकने पर प्रदर्शनी देखूँगा।
(भाई साहब, सुनील, रमेश की बहनें)

रूपांतरण अभ्यास/ Transformation Exercise

नमूना : ऋण न मिलने पर मकान नहीं बन पाएगा।
अगर ऋण न मिला तो मकान नहीं बन पाएगा।

1. फूल न मिलने पर पूजा नहीं हो पाएगी।
2. बस न मिलने पर मैं कार्यालय नहीं जा पाऊँगा।
3. बैंक न खुलने पर हम पैसे नहीं निकाल पाएँगे।
4. मंत्री के न आने पर कार्यक्रम नहीं हो पाएगा।
5. अनुमोदन न मिलने पर बैठक नहीं हो पाएगी।

नमूना: माँ की बीमारी से बच्चों को चिंता है।

माँ की बीमारी से बच्चे चिंतित हैं।

1. भविष्य निधि अग्रिम समय पर न मिलने से मुझे परेशानी है।
2. प्रतियोगी परीक्षा में चयन होने पर उन्हें प्रसन्नता है।
3. बढ़ती हुई महँगाई से लोगों में असंतोष है।
4. दुर्घटना की खबर सुनकर राधा को दुख है।
5. बिजली न होने के कारण हम सबको बेचैनी है।

प्रश्नोत्तर अभ्यास /Question - Answer Exercise

नमूना : क्या आप आज शाम को सिनेमा चलेंगे? (छुट्टी मिलना)

अगर छुट्टी मिलेगी तो मैं आज शाम को सिनेमा चलूँगा।

1. क्या आप टैनिस प्रतियोगिता में भाग लेंगे? (स्वस्थ रहना)
2. क्या तुम कांजीवरम से साड़ी लाओगे? (समय मिलना)
3. क्या वे पाँच बजे के बाद कार्यालय में रुकेंगे? (ज्यादा काम होना)
4. क्या अवर सचिव इस टिप्पणी पर हस्ताक्षर करेंगे? (सहमत होना)
5. क्या निदेशक तीन बजे मुझे समय दे सकेंगी? (बैठक खत्म हो जाना)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें/Fill in the blanks:-

1. अगर बारिश हुई तो ---

2. अगर दौरे पर जाना पड़ा तो--- -----

3. अगर शीला बीमार हुई तो---

4. यदि अध्यापक न आए तो---

5. यदि ट्रेन छूट गई तो --

संवाद /Communication

1. आप सिनेमा जाने का कार्यक्रम बना रहे हैं। व्यवधान की स्थितियों की कल्पना कर हर स्थिति में विकल्पों की चर्चा कीजिए।

बस न मिलना - बस नहीं मिलेगी तो टैक्सी से जाएँगे।

टिकट न मिलना - टिकट नहीं मिलेगा तो दूसरे हॉल में देखेंगे।

अन्य व्यवधान हैं - आगे की सीट न मिलना, बिजली चली जाना, नौ बजे तक काम पूरा न होना।

2. ऊपर की स्थिति में एक प्रशिक्षार्थी व्यवधान का उल्लेख करेगा, दूसरा प्रशिक्षार्थी प्रतिवाद करेगा। जैसे-

प्रशिक्षार्थी-1	**प्रशिक्षार्थी-2**
टिकट नहीं मिलेगा।	टिकट नहीं मिला, तो दूसरी जगह जाएँगे।

क्रम से दोनों स्थितियों में बातचीत करें।

(इसी तरह होटल में खाना खाना, शादी में जाना आदि स्थितियों में भी वार्तालाप करें।)

सार

प्रशांत ने नगर आवास-विकास प्राधिकरण में एक फ्लैट के लिए आवेदन किया था। प्राधिकरण की लॉटरी में प्रशांत का नाम निकला है, लेकिन प्रशांत चिंतित है। प्रशांत को फ्लैट के लिए 10 लाख रुपए का इंतजाम करना है। यह पैसा उसकी चिंता का कारण है। मोहिनी प्रशांत की चिंता का कारण पूछती हैं। वह प्रशांत को फ्लैट - आबंटन की बधाई देते हुए पैसों के इंतजाम संबंधी चर्चा करती है। प्रशांत को तीन महीने में पूरी राशि का इंतजाम करना है। प्रशांत की योजना पर चर्चा करते हुए मोहिनी अपने सुझाव देती है कि सामान्य भविष्य निधि के अलावा भवन निर्माण अग्रिम और सहकारी ऋण समिति से धन का प्रबंध हो सकता है। मोहिनी प्रशांत को दिलासा देती है कि फ्लैट के लिए बैंक या वित्तीय संस्थाओं से भी ऋण मिल सकता है। प्राधिकरण को किश्तों में धन चुकाने पर भी चर्चा होती है, किंतु प्रशांत को फ्लैट नकद क्रय योजना के अंतर्गत मिला है। अंत में मोहिनी उसे आश्वस्त करती है कि ऋण का इंतजाम हो जाएगा।

क्रियात्मक कौशल/ Functional Skill

अपने सामान्य भविष्य निधि खाते से 2,50,000/- की अंतिम निकासी के लिए आवेदन (निर्धारित प्रपत्र में) तैयार करें।

बोध प्रश्नों के उत्तर:-

1. प्रशांत को फ्लैट के लिए आवश्यक पैसों के इंतजाम की चिंता है।
2. प्रशांत को धन तीन महीने के अंदर चाहिए।
3. प्रशांत को मकान के लिए लगभग 10 लाख रुपए चाहिए।
4. कार्यालय से पचास माह के मूल वेतन के बराबर ऋण मिलता है।
5. भविष्य निधि से अंतिम निकासी 15 वर्ष की सेवा के बाद संभव है।

पाठ / Lesson - 4

ट्रैवल एजेंट से बातचीत

भूमिका/ Introduction

The text depicts a dialogue between two persons - a tourist and a travel agent. The tourist enquires about south India tour. The dialogue developes by exchange of various informations regarding the duration, travel cost, arrangements of accommodation etc. During the exchange of relevant informations the travel agent suggests some changes in the tour programme planned by the tourist. The dialogue ends with the information regarding train fare and thanks to the travel agent from the tourist.

उद्देश्य / Objective

Use of 'अगर' .... 'तो' ...., the conditional clause in sentence structure.

The 'अगर' .... 'तो'........sentence pattern denotes the conditinal clause because it describes the fulfilment of a condition of an action/event described in the 'तो' clause.

Like the previous lesson you will learn the following sentence patterns with the use of 'अगर' .... 'तो' ....

अगर बारिश होगी तो रास्ते पानी से भर जाएँगे

If it rains the roads will be filled with water.

In the above cited sentence the 'तो' ....clause is contingent.

The verb in the above sentence denotes only future action. The verb, be it in imperative form like जाओ, रुको कहो etc. or in the past tense form like हुई, गई etc. future action or condition is meant always.

SYNOPSIS

Now you are going to study the main body/main text of the lesson, heading **'ट्रैवल एजेंट से बातचीत'.** A tourist enquires about South India tour from a travel agent. During the conversation various informations regarding the destination, duration, travel cost, arrangements of accommodation etc. are discussed. The travel agent suggests some important places to visit in south India. He informs the tourist about train fare also. The dialogue between the two persons ends with the thanks from the tourist to travel agent for giving the required informations.

Here below we present the text. Read the text **'ट्रैवल एजेंट से बातचीत' carefully**.

ट्रैवल एजेंट से बातचीत

पर्यटक : नमस्कार साहब!

ट्रैवल एजेंट : नमस्कार! आइए, बैठिए। कहिए, क्या **जानकारी**[1] चाहिए।

पर्यटक : साहब, मैं अपने परिवार के साथ **दक्षिण भारत**[2] की **यात्रा**[3] करना चाहता हूँ। इसके लिए आपसे कुछ जानकारी चाहिए।

ट्रैवल एजेंट : **अवश्य**[4] मिलेगी। कृपया यह बताइए कि आपके परिवार में कितने लोग हैं?

पर्यटक : हम पाँच लोग हैं। मैं, पत्नी, माताजी, पिताजी और बेटा।

ट्रैवल एजेंट :आप कितने दिन की यात्रा पर जाना चाहते हैं?

पर्यटक : अगर अच्छा **कार्यक्रम**[5] बन जाए तो हम 15 दिन की यात्रा पर जाना चाहेंगे।

ट्रैवल एजेंट : दक्षिण भारत मंदिरों के लिए **प्रसिद्ध**[6] है। आप दक्षिण में कहाँ-कहाँ जाना चाहेंगे?

पर्यटक : हम दक्षिण में मैसूर, चेन्नै, मदुरै और कन्याकुमारी घूमना चाहेंगे।

ट्रैवल एजेंट : मेरा **सुझाव**[7] है कि यदि आप मैसूर जा रहे हों तो रास्ते में बेंगलूर में उतरें। बेंगलूर बहुत सुंदर शहर है। दिन भर आप बेंगलूर घूमें। बाद में मैसूर जाएँ। मैसूर में रॉयल पैलेस, टीपू सुल्तान का किला, वृंदावन गार्डन आदि **दर्शनीय स्थान**[8] हैं। मैसूर से आप चेन्नै जाएँ। चेन्नै के आस-पास महाबलिपुरम, काँचीपुरम देख सकते हैं। अगर चाहें तो चेन्नै से सीधे कन्याकुमारी जाएँ। वहाँ से लौटते समय मदुरै और कोडै-केनाल देख सकते हैं। अच्छा, यह बताइए कि आप रेल से यात्रा करना चाहेंगे या बस से?

पर्यटक : अगर कार्यक्रम तय हुआ तो रेल से यात्रा करना चाहूँगा।

ट्रैवल एजेंट : क्या आपको होटल की **सुविधा**[9] चाहिए? आप कहाँ ठहरेंगे?

पर्यटक : हाँ, होटल तो चाहिए ही।

ट्रैवल एजेंट : दक्षिण में होटल काफी **सस्ते**[10] हैं और अच्छे भी।

पर्यटक : अगर रेल से यात्रा करें तो कितना **किराया**[11] होगा?

ट्रैवल एजेंट : यदि रेल से यात्रा करें तो ए.सी. **द्वितीय श्रेणी**[12] का किराया लगभग चालीस हजार रुपए होगा।

पर्यटक : जानकारी के लिए धन्यवाद। कार्यक्रम बन जाए तो एक दो दिन में आपसे **संपर्क**[13] करूँगा।

शब्दार्थ Vocabulary :

1. information 2. South India 3. tour/Journey 4. sure 5 programme 6. famous 7. suggestion 8. worth seeing places 9. facility 10. cheap 11. fare 12. second class 13. contact

Make second reading of the text understanding the difficult words/expressions occurring bold in the text. Use the vocabulary for ascertaining the correct connection of the difficult words/expressions then read the text again to bring out the meaning clearly.

You can read the lesson carefully again as the difficult words /expressions mentioned in the bold in the text given in the foot notes for the ascertaining the correct meaning of the text.

Now answer the questions given below:

बोध प्रश्न :

1. पर्यटक कहाँ की यात्रा करना चाहता है?
2. पर्यटक दक्षिण भारत में कौन-कौन से शहर घूमना चाहता है?
3. ट्रैवल एजेंट ने कौन-कौन से स्थान देखने का सुझाव दिया?
4. मैसूर में कौन-कौन से दर्शनीय स्थल हैं?
5. ट्रैवल एजेंट ने ए. सी. द्वितीय श्रेणी का रेल किराया कितना बताया?

सांस्कृतिक टिप्पणियाँ/ Cultural Notes :

चेन्नै: Capital city of Tamil Nadu.

मदुरै : A town in Tamil Nadu famous for the Meenakshi Temple.

कन्याकुमारी : The southern most part of India where three oceans meet.

व्याकरणिक टिप्पणियाँ / Grammatical Notes

पर्यायवाची शब्द/synonymus

सुझाव	:	सलाह	प्रसिद्ध	:	मशहूर
आसपास	:	ईद गिर्द	तय करना	:	निश्चित करना
दर्शनीय स्थल	:	देखने लायक स्थान	बातचीत	:	वार्तालाप
यात्रा	:	सफर	श्रेणी	:	दर्जा

विलोम शब्द

व्यवस्था	X	अव्यवस्था	सुविधा	x	असुविधा
सस्ता	x	महँगा	सुंदर	x	कुरूप

Conditional Sentences: Wish, presumption, possibility etc. are expressed in the 'अगर.................... तो' clause.

इच्छा, अनुमान, संभावना आदि को व्यक्त करने के लिए 'अगर.................... तो' उपवाक्य का प्रयोग किया जाता है।

अगर आप घर आएँ तो अच्छा होगा।

If you come home, it will be good. (wish)

अगर आप आएँ तो मेरा काम बन जाएगा।

If you come, my work will be done (surety)

उदाहरणार्थ :-

अगर वे मैसूर जाएँ तो महाराजा का महल ज़रूर देखेंगे। (अनुमान) Presumption

अगर रेल से यात्रा करें तो सुविधाजनक रहेगा। (संभावना) Possibility

अगर कर्ज मिला तो मकान बन जाएगा। (निश्चितता) surety

हिंदी में **अगर** और **यदि** दोनों शब्द समानार्थी हैं, दोनों ऐच्छिक हैं।

अगर and **यदि** are synonymus in Hindi, both are optional.

'अगर' से बनी कुछ विशिष्ट अभिव्यक्तियाँ some special expressions with the use of 'अगर' in beginning.

इन वाक्यों को पढ़िए/Read the sentences given below:-

अगर आप उचित समझें तो (If you think it proper) उनसे ज़रूर मिल लें।

अगर आप अन्यथा न लें तो (If you don't take it otherwise) मैं एक बात कहना चाहूँगी।

अगर आप अनुमति दें तो (If you permit) मैं भी साथ चलूँगा।

अगर आप बुरा न मानें तो (If you don't mind) मैं एक बात कहना चाहता हूँ।

अगर आप चाहें तो (If you like so) यह किताब ले लें।

अगर हो सके तो (If it is possible) मुझे कुछ रुपए दे दीजिए।

मौखिक अभ्यास/ Oral Practice

Sentence Structures :-

The conditional sentence structure 'अगर' .... 'तो' .... has three forms as discussed earlier.

i) The first type usage the definite verb in the context of "that being the case"

नमूना : अगर वह नहीं आया तो परेशानी होगी।

अगर बारिश हो रही है तो हम नहीं जा सकेंगे।

ii) The second type generally using the future tense form with 'अगर', it has always future reference as given below:-

नमूना: अगर बारिश नहीं होगी तो फसल नहीं होगी।

अगर मकान नहीं मिलेगा तो मुश्किल होगी।

iii) The third type has the subjunctive verb form which means a presumption:-

नमूना: अगर चीनी न मिले तो शक्कर ले आना।

अगर ज्यादा लोग आ जाएं तो हम उन्हें कहाँ बिठाएँ?

स्थानापत्ति अभ्यास /Substitution Exercise

1. अगर आपके पास <u>पाँच सौ रुपए</u> हों तो दे दीजिए।
   (पुस्तकें, कोरे कागज़, दो पेन)
2. अगर ब्रैड न मिले तो <u>फल</u> ले आना।
   (मिठाई, डोसा, समोसे)
3. अगर आप <u>शादी</u> में जा सकें तो ठीक रहेगा।
   (पिकनिक पर, पार्टी में, कार्यक्रम में)
4. अगर आप आज्ञा दें तो मैं <u>जाना</u> चाहूँगा।
   (आना, बात करना, खेलना)
5. यदि <u>आप</u> छुट्टी लेना चाहें तो ले लें।
   (वह, बच्चे, श्रीमती नूपुर, तुम)

रूपांतरण अभ्यास/ Transformation Exercise

नमूना : आपके कहने पर मेरा काम बन जाएगा।

अगर आप कहें तो मेरा काम बन जाएगा।

1. तुम्हारे आने पर बैठक हो जाएगी।
2. राम के ढूँढने पर मकान मिल जाएगा।
3. गोपाल के पढ़ने पर वह पास हो जाएगा।
4. अध्यक्ष के आने पर सभा शुरू हो जाएगी।
5. मेहमानों के बैठने पर खाना परोसा जाएगा।

स्थानापत्ति अभ्यास/ Substitution exercise

1. अगर विभाग में <u>लेखा परीक्षा</u> हुई तो विभिन्न तथ्य सामने आएँगे।
   (वर्क स्टडी, जाँच, छँटनी)

2. यदि हमारी योजनाएँ ठीक होंगी तो देश का विकास होता रहेगा।
   (नीतियाँ, अन्य देशों से संबंध, आंतरिक प्रशासन)
3. अगर कनिष्क जी ठीक से काम नहीं करेंगे तो उन्हें सेवामुक्त किया जाएगा।
   (स्थानांतरित, निलंबित, प्रत्यावर्तित)
4. यदि वे संयुक्त सचिव से मिलेंगे तो रिपोर्ट तैयार करेंगे।
   (संसद प्रश्नोत्तर, बजट अनुमान, बैठक की कार्यसूची)
5. अगर रमेश मेहनत से काम करेगा तो उसकी पदोन्नति होगी।
   (आप, वह, चित्रा कृष्णन, वे)

रूपांतरण अभ्यास /Transformation Exercise

नमूने के अनुसार वाक्य बदलिए:-

नमूना : एक सहायक बुलाने पर अनुभाग का काम पूरा हो जाएगा।

अगर एक सहायक बुलाएँ तो अनुभाग का काम पूरा हो जाएगा।

1. दो टंकक नियुक्त करने पर रिपोर्ट समय पर टंकित हो जाएगी।
2. कुछ सख्ती बरतने पर कार्यालय में अनुशासन बना रहेगा।
3. कर्मचारियों को समझाने पर हड़ताल समाप्त हो जाएगी।
4. समयोपरि भत्ते की स्वीकृति देने पर कर्मचारी उत्साह से काम करेंगे।
5. अस्पताल में डाक्टरों की संख्या बढ़ने पर मरीजों की देखभाल अच्छी होगी।

नमूना : बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्हें पुरस्कार मिला।

प्रतियोगिता में भाग लेने पर बच्चों को पुरस्कार मिला।

1. कार्यालय ज्ञापन जारी हुआ। उसे अनुभागों में परिचालित किया गया।
2. सचिव महोदय ने आदेश दिए। आवश्यक कार्रवाई की गई।
3. अध्यक्ष ने प्रस्ताव को देखा। उन्होंने कुछ सुझाव दिए।
4. पत्र की प्रतिलिपि सूचनार्थ भेजी। उसकी प्राप्ति सूचना आ गई।
5. वित्त मंत्रालय से स्वीकृति मिली। नई परियोजना का काम शुरू हो गया।

प्रश्नोत्तर अभ्यास / Question - Answer Exercise: नमूने के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

नमूना : लाटरी मिलने पर आप क्या करेंगे? (कार खरीदना)

अगर लाटरी मिली तो मैं कार खरीदूँगा।

1. नौकरी लगने पर आप क्या करेंगे? (मकान लेना)
2. एल.टी.सी. लेकर आप कहाँ जाएँगे? (लक्षद्वीप)
3. आरक्षण न मिलने पर दौरे पर कैसे जाएँगे? (हवाई जहाज)

4. मंत्री बनने पर आप क्या करेंगे? (नई नीतियाँ बनाना)
5. बैंक से ऋण न मिलने पर आप क्या करेंगे? (सहकारी समिति से ऋण)

संवाद/ Communication

1) पूर्व पाठ में आपने सिनेमा जाने के बारे में जो अभ्यास किया था, उसका वार्तालाप रूप में पुन: अभ्यास करें।
2) रास्ते में गाड़ी खराब हो जाए या शहर में बंद हो जाए तो इन स्थितियों में आप क्या करते हैं? आप परस्पर चर्चा करें।

सार

एक पर्यटक अपने परिवार के साथ दक्षिण भारत की यात्रा करना चाहता है। इस संबंध में वह ट्रैवल एजेंट से जानकारी लेता है। ट्रैवल एजेंट पर्यटक के यात्रा खर्च, रहने की व्यवस्था आदि पर चर्चा करते हुए उसको कुछ दर्शनीय स्थल देखने का सुझाव देता है। रेल यात्रा के किराए की जानकारी लेकर अंत में पर्यटक ट्रैवल एजेंट को धन्यवाद देता है।

क्रियात्मक कौशल / Functional Skill

दिल्ली से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तक यात्रा के लिए रेल, हवाई और जल परिवहन के उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा करते हुए अपनी और अपने परिवार की छुट्टी यात्रा रियायत के लिए योजना बनाएँ।

बोध प्रश्नों के उत्तर

1. पर्यटक दक्षिण भारत की यात्रा करना चाहता है।
2. पर्यटक दक्षिण भारत में मैसूर, चेन्नै, मदुरै और कन्याकुमारी घूमना चाहता है।
3. ट्रैवल एजेंट ने बेंगलूर, मैसूर, चेन्नै, महाबलिपुरम, कांचीपुरम, कन्याकुमारी और कोडै कैनाल देखने का सुझाव दिया।
4. मैसूर में रॉयल पैलेस, टीपू सुल्तान का किला, वृंदावन गार्डन आदि दर्शनीय स्थल हैं।
5. ट्रैवल एजेंट ने ए.सी. द्वितीय श्रेणी रेल का किराया लगभग चालीस हज़ार रुपए बताया।

पाठ / Lesson - 5

हमारे चुनाव

भूमिका/ Introduction

The text is regarding the democratic system of India. To maintain this democratic system throughout the country, Election Commission conducts elections for Lok Sabha and Vidhan Sabha. Many steps are taken by the Election Commission for strengthen this democratic system.

उद्देश्य / Objective

Use of passive voice sentence structures which are regularly used in day-to-day communication.

The passive voice structures depict the impersonal form of expression so it has a restricted use in day-to-day communication. But the same impersonal form of passive voice provides a base for official Hindi. In certain situations where there is a generalization and the subject is required to be omitted, passive voice structures are used. e.g. नियुक्तियां हो रही हैं - Literally: appointments are happening.

Generally expressed as Appointments are being made.

योजना बन रही है - Literally: translated as a passive in English - Plan is being made but generally expressed as It is being planned.

In this lesson we will learn the Pseudo passive verbs. In all these usages the real agent or the doer is not mentioned. There are some pseudo-passive verbs in cases of which the subject cannot be identified or located or there is no direct relationship between the action and the cause.

SYNOPSIS

Now you are going to study the main body/main text of the lesson, heading **'हमारे चुनाव'.** India is the largest democracy in the world. In order to maintain this democratic system nation-wide general elections of 'Lok Sabha' and ‘Vidhan Sabha' are conducted by the Election Commission. The Election Commission of India is the sole statutory body to conduct and monitor fair elections. Various procedures are adopted to maintain this democratic system nation wide. All the

citizens of our country are collectively responsible for the strengthening of this democratic system. Therefore each and every citizen is required to be well educated about the strength of his or her vote.

Here below we present the text. Read the text 'हमारे चुनाव' given in lesson 5 carefully.

हमारे चुनाव

भारत **विश्व**[1] का सबसे बड़ा **लोकतंत्र**[2] है। लोकतंत्र में **जनता**[3] अपने **प्रतिनिधियों**[4] का चुनाव स्वयं करती है। **चुनाव आयोग**[5] हर पाँच वर्ष बाद **लोक सभा**[6] और **विधान सभा**[7] के लिए **आम चुनाव**[8] करवाता है। भारत का चुनाव आयोग एक **सांविधिक संस्था**[9] है। यह देश में **स्वतंत्र और निष्पक्ष**[10] चुनाव को सुनिश्चित करता है। चुनाव **प्रक्रिया के दौरान**[11] सर्वप्रथम चुनाव आयोग द्वारा देश भर में चुनाव की **तिथियाँ अधिसूचित की जाती हैं।**[12] चुनाव की तिथियों की **घोषणा**[13] होते ही राजनीतिक दलों में हल चल बढ़ जाती है और उनके चुनाव **घोषणा पत्र**[14] जारी होने लगते हैं। पूरे देश में चुनावी कार्रवाइयाँ तेज हो जाती हैं। पोस्टर, नारे, अपीलें आदि छपने लगती हैं। टिकट देने के लिए **उम्मीदवारों**[15] के नामों पर विचार होने लगता है। छोटे-बड़े नेताओं के बड़े-बड़े कट आउट लग जाते हैं। चुनाव सभाओं और रैलियों की बाढ़ सी आ जाती है। मतदाताओं को लुभाने की नई-नई योजनाएँ बनती हैं। उन्हें रिझाकर चुनाव जीतने की **युक्तियाँ**[16] तलाशी जाती हैं। रोज नए-नए **मुद्दे**[17] उछाले जाते हैं। सभाओं, रैलियों में भीड़ कम जुटती है तो फिल्मी कलाकारों को बुलवाया जाता है। कहीं-कहीं तो कोई **लोकप्रिय**[18] फिल्मी कलाकार स्वयं ही चुनाव में उतर आते हैं।

कहीं-कहीं राजनीति के अपराधीकरण के प्रयास भी दिखाई पड़ते हैं। चुनाव आयोग तथा देश के माननीय न्यायालय इससे अनभिज्ञ नहीं हैं। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए समय-समय पर नियम-कानून भी बनाए जाते हैं। लोकतंत्र में मतदान नागरिकों का परम **कर्त्तव्य**[19] है। जागरूक **नागरिक**[20] होने के नाते हमें अपने **मताधिकार**[21] का प्रयोग बहुत सोच समझकर करना चाहिए। वोट डालते समय किसी धर्म, जाति और भाषा आदि पर विचार किए बिना **कर्मठ और ईमानदार**[22] **प्रत्याशी**[23] को ही वोट देना चाहिए। वास्तव में ऐसा ही प्रत्याशी देश की जनता के हितों की रक्षा कर सकता है। मतदाता को बिना किसी दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए जिससे भारत को कुशल **नेतृत्व**[24] मिल सके और भारत का लोकतंत्र और अधिक मजबूत हो सके।

शब्दार्थ/ Vocabulary :

1. world 2. democracy 3. public 4. representatives 5. lection commission 6. lok sabha 7. state assembly 8. general elections 9. statutary body 10. independent and fair 11. during the procedure 12. dates are notified 13. announcement 14. manifesto 15. candidates 16. tricks 17. issues 18. popular 19. duty 20. citizen 21. mandate 22. hard working and honest 23. candidate 24. leadership

Now make second reading of the text understanding the difficult words/expressions occurring bold in the text. Use the vocabulary for ascertaining the correct connection of the difficult words/expressions then read the text again to bring out the meaning clearly.

Read the lesson once again to have a general understanding of the lesson. Do the reading referring to the meaning of the difficult words given in meanings, so that you get a better understanding of the text.

Now answer the questions given below:

बोध प्रश्न

1. चुनाव आयोग का क्या कार्य है?
2. राजनीतिक दलों में हलचल क्यों बढ़ जाती है?
3. चुनाव जीतने के लिए क्या-क्या युक्तियाँ अपनाई जाती हैं?
4. मतदान में हमारा क्या कर्तव्य है?
5. कैसे प्रत्याशी को अपना मत देना चाहिए?
6. चुनाव आयोग किसके लिए चुनाव करवाता है?

व्याकरणिक टिप्पणियाँ Grammatical Notes

पर्यायवाची शब्द

लोकतंत्र	=	जनतंत्र, प्रजातंत्र	प्रत्याशी	=	उम्मीदवार
भागीदारी	=	सहभागिता	वोट	=	मत
चुनाव	=	निर्वाचन	अपराध	=	जुर्म

विलोम शब्द

लोकतंत्र	x	राजतंत्र	हित	x	अहित
स्वतंत्र	x	परतंत्र	पक्ष	x	विपक्ष

संबद्ध शब्द

चुनाव	=	चुनावी	संविधान	=	संवैधानिक
अपराध	=	अपराधी, अपराधीकरण	मत	=	मतदान, मतदाता
लोकतंत्र	=	लोकतांत्रिक	राजनीति	=	राजनैतिक
अधिसूचना	=	अधिसूचित	जागरूक	=	जागरूकता

Sentence Patterns

The verb forms बनना, कटना, घटना, गिरना behave like passive verbs. We will call them Pseudo passive verbs. In all these cases the real doer is not mentioned.

नमूना : पेड़ कट रहा है। The tree is being cut. Present Continuos
पेड़ कटेगा। The tree will be cut. Future Tense

In all the above sentences the subject is not mentioned. In this case the subject cannot be identified or located. Since there is no direct co-relationship between the action and the cause, i.e. आँधी से पेड़ गिर गया -Here आँधी से may be the cause but it is not deemed to be the subject.

Some examples of passive voice structures are given below:-

माँ दूध उबाल रही हैं। (Active voice)

दूध उबल रहा है। (Passive voice) माँ means the doer or subject but it is not mentioned in this form.

The Transformation of verb in the above mentioned example follows some +steps:-

1. In the passive voice the object gets grammatical prominence and governs the gender and number of the verb forms.
2. The main verb assumes the past participle form e.g.

Passive Voice - Active Voice

उबल	-	उबाल
कट	-	काट
गिर	-	गिरा

3. The tense of the verb in the active voice sentence, obviously has to be retained in the passive voice as well.

मौखिक अभ्यास/ Oral Practice

The following practice material is based on the text, try to attempt the exercises given below:-

क्रिया रूप रचना देखिए:-

Active Voice	Passive Voice	**वाक्य बनाएँ**
करना	होना	-----------------
लगाना	लगना	-----------------
उछालना	उछलना	-----------------
काटना	कटना	-----------------
सजाना	सजना	-----------------
छापना	छपना	-----------------
तोड़ना	टूटना	-----------------
फोड़ना	फूटना	-----------------
खोलना	खुलना	-----------------

स्थानापत्ति अभ्यास/ Subsitution Exercise

कोष्ठक के शब्द को बदलिए और उसके अनुसार वाक्य बनाइए।

1. बच्चों ने खेलते समय शीशा तोड़ दिया।
   (तस्वीर, गिलास, घड़ी)
2. राधा ने सामान बाँध लिया।
   (कपड़े, किताबें, बर्तन)
3. आज सुबह मुझसे गिलास टूट गया।
   (प्लेट, मूर्तियाँ, शीशा)
4. राम मिठाई बाँट रहा है।
   (फल, भोजन, प्रसाद)

दोहरा स्थानापत्ति अभ्यास/ Double subsitution Exercise

हम जो पेड़ काट रहे थे वह कट गया।

व्यंजन बनाना	बनना
पर्दा सीना	सिलना
कमरा सजाना	सजना

रूपांतरण अभ्यास Transformation Exercise

उदाहरण : महेश के लिए खीर बन रही है। (माँ)

माँ खीर बना रही है।

1. श्रीमती बनर्जी के लिए कमरा सज रहा है। (नौकर)
2. पिताजी के लिए आँगन में बिस्तर बिछ रहा है। (मेरा भाई)
3. बच्चे के लिए दूध का डिब्बा खुल रहा है। (मेरी दीदी)
4. विद्यार्थियों के लिए लेख छप रहे हैं। (प्रकाशक)
5. चाचा जी के लिए पंखा चल रहा है। (बच्चे)

उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए/Change the sentences according to the example:

उदाहरण: खाना बन रहा है। (सुधा)

सुधा खाना बना रही है।

1. सब्ज़ी कट रही है। (माता जी)
2. मिठाई बन रही है। (हलवाई)
3. पतंग उड़ रही है। (बच्चे)
4. बक्से उतर रहे हैं। (नौकर)
5. पेड़ लग रहे हैं। (माली)

प्रश्नोत्तर अभ्यास/ Question- Answer Exercise:

उदाहरण के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

उदाहरण : क्या पुस्तक छप रही है? (प्रकाशक)

प्रकाशक पुस्तक छाप रहा है।

1. क्या दीपक जल रहा है? (माता जी)
2. क्या विद्यार्थी पढ़ रहे हैं? (अध्यापक)
3. क्या कार चल रही है? (ड्राइवर)
4. क्या योजना बन रही है? (निदेशक)
5. क्या नियुक्तियां हो रही हैं? (चयन आयोग)

संवाद/ Communication

आपके घर में नाश्ते, दोपहर तथा रात के खाने में क्या-क्या चीज़े बनती हैं? आपस में प्रश्नोत्तर कीजिए।

What is prepared at your home for breakfast, lunch and dinner? Discuss with each-other

अखबार में क्या-क्या चीज़ें प्रकाशित होती/छपती हैं? पाँच-छह वाक्य बोलिए।

खबरें, विज्ञापन, संपादकीय, खेल समाचार आदि।

What is published in newspaper? Speak sentences using news, ads, editorials, sports news etc.

अपने क्षेत्र में हुए चुनाव के संबंध में बातचीत करें।

Discuss the election proceedings that took place in your area.

(निष्पक्ष चुनाव, इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, मतदाता सूची, पहचान पत्र)

(fair election, electronic voting machine, voter list, voter identity card).

सार

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहाँ जनता अपने नेताओं का चुनाव मतदान से करती है। लोक सभा और विधान सभा के लिए मतदान करवाना चुनाव आयोग का काम है। चुनाव आयोग देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए एक प्रक्रिया के अनुसार काम करता है। चुनाव की तिथियाँ घोषित होते ही पूरे देश में चुनावी कार्रवाइयाँ तेज हो जाती हैं। राजनैतिक दलों के घोषणा-पत्र जारी होने लगते हैं। चुनावी सभाओं और रैलियों की बाढ़ सी आ जाती है। सभाओं और रैलियों में भीड़ जुटाने के लिए नए-नए मुद्दे और युक्तियाँ तलाशी जाती हैं। भीड़ जुटाने के लिए फिल्मी कलाकारों को भी बुलाया जाता है।

चुनाव में अपराधीकरण को रोकने के लिए समय-समय पर नियम-कानून बनाए जाते हैं। लोकतंत्र में मतदान बहुत महत्त्वपूर्ण है। अत: जागरूक नागरिक होने के नाते हमें अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। किसी प्रत्याशी की जाति, धर्म और भाषा आदि पर ध्यान न देकर कर्मठ और ईमानदार प्रत्याशी को ही वोट देना चाहिए। मतदाता द्वारा बिना किसी दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करने से ही देश को कुशल नेतृत्व मिल सकता है।

क्रियात्मक कौशल/ Functional Skill

भारत की संसदीय प्रणाली को समझाते हुए दस वाक्य लिखिए।

बोध प्रश्नों के उत्तर:

1. देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाना चुनाव आयोग का काम है।
2. चुनाव घोषणा पत्र जारी करने के लिए राजनीतिक दलों में हलचल बढ़ जाती है।
3. चुनाव जीतने के लिए पोस्टर, नारे, अपीलें, आम सभाओं और रैलियों जैसी युक्तियाँ अपनाई जाती हैं।
4. मतदान के समय धर्म, जाति और संप्रदाय का विचार किए बगैर वोट देना चाहिए।
5. कर्मठ और ईमानदार प्रत्याशी को वोट देना चाहिए
6. भारत को कुशल नेतृत्व प्रदान करने एवं लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए चुनाव आयोग चुनाव करवाता है।

बोधन पाठ

उपभोक्ता संरक्षण

आज हमारे देश का **उपभोक्ता**[7] पहले से अधिक **जागरूक**[2] हो गया है। भारत सरकार ने भी उपभोक्ताओं के **अधिकारों के संरक्षण**[3] को महत्व देते हुए 1986 में उपभोक्ता संरक्षण **अधिनियम**[4] का **प्रावधान**[5] किया है।

उपभोक्ता के अधिकारों के संरक्षण का **मामला**[6] उपभोक्ता मामले **खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय**[7] के अंतर्गत आता है। इस मंत्रालय के **अधीन**[8] **कीमतों पर नियंत्रण**[9] आवश्यक वस्तु **उपलब्धता**[10], **माप-तौल**[11] नियंत्रण एवं **उपभोक्ता वस्तुओं**[12] की **गुणवत्ता**[13] नियंत्रित करने आदि से संबंधित **नीति**[14] निर्धारित की जाती है।

ग्राहकों[15] को दिन-प्रतिदिन होने वाली **धोखा धड़ी**[16] से बचाने के लिए उन्हें **उत्पाद**[17] की गुणवत्ता, **मात्रा**[18], उपलब्धता, **मानक वस्तु**[19] की कीमतों की जानकारी लेने का **अधिकार**[20] प्रदान किया गया है। इसके साथ ही ग्राहकों को वस्तु की जो गारंटी दी जाती है, उसके अंतर्गत एक निर्धारित समयावधि के दौरान खराब वस्तु की **नि:शुल्क मरम्मत**[21] करवाने या बदलने का भी अधिकार दिया गया है। आज बाज़ार में अनेक **विकल्प**[22] मौजूद हैं, जिससे **प्रतियोगी दर**[23] पर ग्राहक अपनी इच्छानुसार वस्तु का **चयन**[24] कर सकता है।

सरकार द्वारा उपभोक्ताओं के **शोषण**[25] को रोकने तथा उनकी **शिकायतों के निवारण**[26] के लिए 1986 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तर पर **उपभोक्ता अदालतों**[27] की स्थापना की गई है। उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या प्रदत्त **सेवा**[28] में **कोताही/ढिलाई**[29] की शिकायत उपभोक्ता अदालत में की जा सकती है।

आज उपभोक्ता संरक्षण का **दायरा**[30] काफी विस्तृत हो गया है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई जन सुविधाएँ जैसे सड़कों का रख-रखाव, उन पर रोशनी की उचित व्यवस्था, स्वच्छ पानी तथा स्वच्छ वातावरण उपलब्ध करवाना, **प्राथमिक शिक्षा**[31] व **चिकित्सा**[32] और **परिवहन**[33] आदि की व्यवस्था में **अनियमितता**[34] के लिए भी जनता उपभोक्ता अदालत का सहारा ले सकती है। इसके दायरे में बैंक, अस्पताल, डॉक्टर, आवास-विकास बोर्ड, **निजी बिल्डर**[35] आदि द्वारा प्रदत्त सेवाएँ भी शामिल हैं।

उपभोक्ता अदालतों को पूरी तरह कानूनी मान्यता प्राप्त है। इन अदालतों द्वारा अनेक मामलों का **न्यायोचित**[36] ढंग से निपटान किया जाता है तथा **प्रभावित**[37] उपभोक्ता को अदालती खर्च के साथ उसके मानसिक, शारीरिक व आर्थिक शोषण के एवज में समुचित **मुआवजे**[38] की व्यवस्था भी की गई है।

शब्दार्थ Vocabulary:

1. consumer 2. aware 3. protection of rights 4. act 5. provision 6. matter/affair
7. M/o Food and Public Distribution 8. under 9. price control 10. availability
11. weight and measures 12. consumer goods 13. quality 14. policy
15. customer 16. cheating 17. product 18. quantity 19. standard good 20. right
21. free repair 22. option 23. competitive rate 24. selection 25. loitation
26. redressal of complaints 27. consumer courts 28. service 29. negligence
30. preview 31. primary education 32. medical 33 transport 34. irregularity
35. private builder 36. justified 37. affected 38. compensation

बोध प्रश्न:

1. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का प्रावधान कब हुआ था?
2. उपभोक्ता संरक्षण के मामले किस मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं?
3. उपभोक्ता संरक्षण के अंतर्गत उपभोक्ता को प्राप्त किन्हीं तीन अधिकारों का उल्लेख करें।
4. इस अधिनियम में सरकार द्वारा प्रदत्त कौन-कौन सी सेवाएँ आती हैं?
5. उपभोक्ता अदालतें किस स्तर पर और किस तरह उपभोक्ताओं को संरक्षण प्रदान करती हैं?

सार

भारत सरकार ने उपभोक्ताओं के संरक्षण को महत्त्व देते हुए 1986 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किया है। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन कीमतों पर नियंत्रण, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, माप-तौल नियंत्रण और उपभोक्ता वस्तुओं की गुणवत्ता आदि से संबंधित नीति तैयार की जाती है। उपभोक्ताओं को धोखे से बचाने के लिए उन्हें उत्पाद की गुणवत्ता, मात्रा, उपलब्धता, कीमत आदि की जानकारी लेने का अधिकार है। इसके साथ वस्तु की जो गारंटी दी जाती है, उसके अन्तर्गत एक निर्धारित समय अवधि में खराब हुई वस्तु की नि:शुल्क मरम्मत अथवा बदलने का अधिकार भी है।

सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचाने और उनकी शिकायतों के निवारण के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अन्तर्गत जिला स्तर पर उपभोक्ता अदालतों की स्थापना की गई है। इन अदालतों में शिकायतों की सुनवाई के दायरे में बैंक, अस्पताल, डॉक्टर, आवास-विकास बोर्ड, निजी बिल्डर आदि द्वारा प्रदत्त सेवाएँ भी शामिल हैं। इन अदालतों में मामलों के न्यायोचित ढंग से निपटान में प्रभावित उपभोक्ता को अदालती खर्च के साथ उसके मानसिक शारीरिक व आर्थिक शोषण का हर्ज़ाना भी दिया जाता है।

बोध प्रश्नों के उत्तर

1. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का प्रावधान 1986 में हुआ था।
2. उपभोक्ता संरक्षण के मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अन्तर्गत आते हैं।
3. उपभोक्ता संरक्षण के अन्तर्गत उपभोक्ता को धोखाधड़ी से बचाने के लिए उत्पाद की गुणवत्ता, मात्रा और कीमतों की जानकारी लेने का अधिकार प्रदान किया गया है।
4. इस अधिनियम के अन्तर्गत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई अनेक जन सुविधाएँ जैसे- बिजली, पानी, सड़क, स्वच्छ वातावरण के अलावा बैंक, अस्पताल, डॉक्टर, आवास विकास बोर्ड आदि द्वारा प्रदत्त सेवाएँ आती हैं।
5. उपभोक्ता अदालतें उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या प्रदत्त सेवाओं में कोताही/ ढिलाई संबंधी शिकायतों की सुनवाई करती हैं।